



षोडश

बिहार विधान-सभा

द्वितीय सत्र

तारकित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 28 फाल्गुन, 1937 (श।0)
18 मार्च, 2016 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 152

(1) ऊर्जा विभाग	-	-	40
(2) स्वास्थ्य विभाग	-	-	81
(3) पर्यटन विभाग	-	-	22
(4) आपदा प्रबंधन विभाग	-	-	05
(5) योजना एवं विकास विभाग	-	-	02
(6) विधि विभाग	-	-	02

कुल योग 152

निर्माण करना

*1727. श्री नारायण प्रसाद—क्या मंत्री पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिला के बैरिया प्रखंड में सैरा मग ऐतिहासिक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है, जहाँ प्रत्येक साल भूरे देश में एक लाख पर्यटक पहुँचते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्थल का सौन्दर्यीकरण एवं आधारभूत संरचनाओं का निर्माण नहीं होने से पर्यटकों को असुविधा होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

जीर्णोद्धार करना

*1728. श्री प्रमोद कुमार—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के मोतिहारी प्रखंड कार्यालय के निकट स्थित स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मियों का सरकारी आवास भारमती के अधाध में खस्त हो चुका है, जिसके जीर्णोद्धार हेतु प्राक्कलन का प्रतिवेदन वर्ष 2014 में विभाग को प्राप्त हो चुका है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त आवासों का जीर्णोद्धार कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पोस्टमार्टम की व्यवस्था

*1729. श्री जयलक्ष्मण यादव—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के पालीगंज प्रखंड के अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम की सुविधा नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त प्रखंड के लोगों को पोस्टमार्टम हेतु दानापुर जाना पड़ता है जिसके कारण मृतक के परिजनों को काफी कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक पालीगंज अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम की सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पदस्थापित करना

*1730. डॉ० मुहम्मद जावेद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिला के किशनगंज प्रखंड के सिधिया कुलामनी पंचायत में उप-स्वास्थ्य केंद्र कुलामनी स्थित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्वास्थ्य केंद्र में कोई भी चिकित्सक एवं ए०एन०एम० पदस्थापित नहीं रहने के कारण लोगों को चिकित्सा करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उप-स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक एवं ए०एन०एम० पदस्थापित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

ट्रांसफॉर्मर लगाना

*1731. श्री उमेश सिंह कुरावाला—क्या सही, उच्च विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रांसफॉर्मर लगाने की 72 फीट की अन्दर ट्रांसफॉर्मर बसलाने का प्रावधान है ;

(2) क्या यह बात सही है कि जिलाधीन जिलाधिकारी महतार प्रखण्ड की रूपसौर में 100 को०मी०ए० का ट्रांसफॉर्मर एवं जिलाधीन प्रखण्ड की जेरीलिया की उपग्रामित सिंह की घर की निकट का 100 को०मी०ए० का ट्रांसफॉर्मर जला हुआ है, जिससे उस गाँव में बिजुलू आपूर्ति बाधित है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों को उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थानों पर जहाँ ट्रांसफॉर्मर बसलकर नया ट्रांसफॉर्मर लगाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1732. श्री सोनाराम सादव—क्या सही, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि जेपुरागढ़ जिलाधीन चिकली की आपूर्ति संतोषजनक नहीं रहने के कारण सरकार ने उक्त जिला की स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पताल में जनरेटर के द्वारा बिजुलू आपूर्ति करने का निर्णय लिया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त जिला में वर्ष 2013 से बिजुलू आपूर्ति 17 से 20 फीट तक की जा रही है ;

(3) क्या यह बात सही है कि जिलाधीन उपलब्ध रहने के आवाजुद श्री जेनेटर से बिजली आपूर्ति के नाम पर लाखों रुपये की विकासी संश्लेषक एवं एन०जी०ओ० की माध्यम से की जा रही है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों को उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसकी जाँच करके योग्य व्यक्तियों को खिलाफ कार्रवाई करना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्वास्थ्य केंद्र खोलना

*1733. श्री प्रदीप कुमार—क्या सही, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला की सीताद्वारी प्रखण्ड के ठेकहाँ बाजार पर स्वास्थ्य केंद्र खोलने हेतु स्थल का चयन किया गया था, परन्तु आवश्यक स्वास्थ्य केंद्र नहीं खोला गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थल पर स्वास्थ्य केंद्र खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

औचित्य बतलाना

*1734. श्री (मो०) आफक अलाम—क्या सही, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि धुमियाँ जिलाधीन जसदलगाड़ प्रखण्ड को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 30 शय्या लगाने की वर्ष 2015 में स्वीकृति मिली थी लेकिन ओबलक 30 शय्याओं की नहीं लगाना गया, यदि हाँ, तो क्या अस्पताल में अभी तक 30 शय्या नहीं लगाने का क्या औचित्य है ?

चिकित्सक का पर्यवेक्षण

* 1735. श्री मधुबनी सेखर—क्या नहीं, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिला अन्तर्गत हरलाखी एवं मधुबनी प्रखण्ड के पी०एच०सी० में महिला डॉक्टर पर्यवेक्षित नहीं हैं, जिससे महिला मरीजों को चिकित्सकीय सुविधा प्राप्त करने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त प्रखण्डों के पी०एच०सी० में महिला डॉक्टर का कब तक पर्यवेक्षण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पावर सब-स्टेशन का निर्माण

* 1736. श्री अशोक कुमार सिंह—क्या नहीं, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत रकीर्ण प्रखण्ड के काममा में पावर सब-स्टेशन नहीं है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को विद्युत् आपूर्ति में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उपर्युक्त बांण्ड स्थान काममा में कब तक पावर सब-स्टेशन बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

* 1737. श्री उमेश सिंह कुरतवा—क्या नहीं, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कैमाली जिलान्तर्गत कन्दाहा प्रखण्ड के अरुनिया पंचायत की अमराही काफी छोटे हुए भी वहाँ पर अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं है, जिस वजह से वहाँ के लोगों को इलाज के लिये अन्यत्र जाना पड़ता है तथा कन्दाहा प्रखण्ड के चौदसरतय पंचायत में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भादों के भवन में चल रहा है जबकि सरकार की 10 करोड़ गैर-भवनवादी नीति उपलब्ध है ;

(2) यदि उपर्युक्त संह का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार अरुनिया एवं चौदसरतय पंचायतों में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन बनाने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

* 1738. श्री सुरेंद्र कुमार—क्या नहीं, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत कटरा प्रखण्ड के ग्राम-जगुआर के दक्षिण ओर ०ई०ओ० सड़क से पुरब अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है, जिसका भवन जर्जर है ;

(2) यदि उपर्युक्त संह का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केंद्र का भवन निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

दवा के रेट में बदलाव

* 1739. श्री अखिलकुल इस्लाम शाहीन—हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 4 अप्रैल, 2015 के अंक में प्रकाशित शीर्षक "जेनेरिक दवा के नाम अब नया खोल" को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के दवा दुकानों में उपलब्ध जेनेरिक दवाएँ और ब्रांडेड कंपनियों के दवा के रेट में कोई अंतर नहीं होता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि दिखने में एक जैसा होने के कारण दवा दुकानदार मरीजों का आर्थिक शोषण करते हैं क्योंकि जेनेरिक दवा की कीमत कम होती है लेकिन मरीजों को अधिक कीमा चुकानी पड़ती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर सकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जेनेरिक दवा के रेट में ऐसा बदलाव करने का विचार रखती है, जिससे कि आम-आदमी उसे आसानी से पहचान सके, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

ट्रांसफॉर्मर लगाना

* 1740. श्री नन्द कुमार राय—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत सोनीपुर प्रखंड के खनरी, महामन्द (प्रमोनीवाध पंच) मुस्लिम टोला, फफड़ी पटेल टोला, चण्डीफरीज, राजपुत टोला में स्थित ट्रांसफॉर्मर सात माह पूर्व में जल गया है जिससे विद्युत् आपूर्ति बाधित है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थलों पर नया ट्रांसफॉर्मर लगाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

केबुल बदलना

* 1741. श्री नन्दकिशोर यादव—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के पटना सिटी में विद्युत् के खुले तार के स्थान पर केबुल तार लगाने का कार्य आरम्भ किया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि केबुल बदलने के कार्य का रफ्तार अत्यंत धीमा है जिससे आमजन को निर्बाध विद्युत् आपूर्ति का लाभ नहीं मिल पा रहा है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर न्योकार्हात्मक हैं, तो क्या सरकार केबुल बदलने के कार्य को प्रयासोप कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युत् आपूर्ति की व्यवस्था

* 1742. श्री नरमण पन्त—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पंच चम्पारण जिला के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नौतन तथा बैरिया में 24 घंटा में मात्र 7 घंटा विद्युत् आपूर्ति की व्यवस्था जेनरेटर द्वारा की गई है। शेष अवधि में अंधेरा रहता है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त केन्द्र के जेनरेटों से प्रत्येक दिन बीस घंटा विद्युत् आपूर्ति की व्यवस्था कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्य शुरू करना

*1743. श्री संजय कुमार सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सोहाग जिलानगर विक्रमगंज नगर पंचायत के धनगढ़ रैकल अस्पताल का ब्लड बैंक विगत कुछ महीनों से बन्द है, जिससे मरीजों के आपातकालीन स्थिति में ऑपरेशन और इलाज की प्रक्रिया स्थगित है तथा ऐसी स्थिति में मरीजों को अपना इलाज कराने हेतु विक्रमगंज से दूर जाना पड़ता है;

(2) यदि उपर्युक्त ब्लड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल में पुनः ब्लड बैंक का कार्य शीघ्र शुरू करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण करना

*1744. श्री विजय कुमार खोसला—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पुरिषी जिला में वर्ष 2013 में पुरिषी पूर्व प्रखंड अन्तर्गत विक्रमपुर पंचायत के विशनपुर गाँव में 16 कं०भी०ए० के दो ट्रांसफॉर्मर की जगह 63 कं०भी०ए० का ट्रांसफॉर्मर एल०टी० एवं एस०टी० आयर एवं गैर पंचायत के डिम्मतपुर गाँव तथा कदवा हांगी गाँव एवं कालसर क्रिष्णा गाँव में 16 कं०भी०ए० ट्रांसफॉर्मर की जगह पर 100 कं०भी०ए० का ट्रांसफॉर्मर एस०टी० एवं एल०टी० तार लगाकर विद्युतीकरण करने हेतु सांसद निधि से 400 से अधिक योजनाओं की स्वीकृति दी गयी है किन्तु कार्यान्वयन की गति संतोषजनक नहीं है;

(2) यदि उपर्युक्त ब्लड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार योजनाओं की जाँच करवा कर दोषों पर कार्रवाई करने तथा विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्वास्थ्य केंद्र की परेवर्दी

*1745. श्री (श्री०) आकाश जालन—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पुरिषी जिलानगर कसबा प्रखंड के गढ़ी पंचायत के विजयगंज गिरा टोल में उप-स्वास्थ्य केंद्र स्थित है जिसके चहारदीवारी का निर्माण नहीं होने से उक्त केंद्र के लोगों का अतिक्रमण हो रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त उप-स्वास्थ्य केंद्र की परेवर्दी करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सूचना योजना

*1746. श्री अनिल सिंह—क्या मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि इकोनॉमिक बेकग्राउंड क्लेसमेंट कमिशन, भारत सरकार द्वारा सितम्बर, 2007 में बिहार सरकार से अगड़ी जातियों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का आकलन कर सूचना देने जाने का अनुरोध किया गया परन्तु आजतक यह गणना नहीं की गयी है, यदि हाँ, तो सरकार अगड़ी जातियों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का आकलन कर कबतक इकोनॉमिक बेकग्राउंड क्लेसमेंट कमिशन, भारत सरकार को भेजने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बिजली की आपूर्ति

*1747. श्री अजीत शर्मा—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिला के भागलपुर शहर में बिजली का पोल लकड़ी का है जो पिछले 5 वर्षों से जर्जर है जिससे बिजली की आपूर्ति होती है;

(2) क्या यह बात सही है कि लकड़ी को जर्जर पोल से बिजली को आपूर्ति होने से बिजली की आपूर्ति बाधित होती रहती है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भागलपुर शहर में भूमिगत बिजली द्वारा बिजली की आपूर्ति कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*1748. श्री राम नारायण मंडल—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पोंडा जिला के बाराहट प्रखंड में दो अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर और खड़हरा में खोलने हेतु स्वीकृत है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त दोनों अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के भवन का निर्माण कराने हेतु क्रमशः दिनांक 22 मई, 2010 एवं 14 मई, 2012 को भूमि विभाग को प्राप्त हो चुका है लेकिन निर्माण कार्य अथवाक प्रारम्भ नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त दोनों केंद्रों के भवन का निर्माण कराने संबंधित कार्यों का विचार रखती है, नहीं, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*1749. श्रीमती सुनील सिंह चौहान—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी मिशनरीज वेल्फेयर प्रखंड को उप-स्वास्थ्य केंद्र सुन्दर गौरी गौरी नामीन उपमण्डल है लेकिन भवन नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त उप-स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण करना

*1750. श्री सुरेंद्र कुमार—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुकुन्दपुर जिला के औरई प्रखंड के कल्याणपुर, कटीया आदि एवं कटवा प्रखंड के जखशार कैपुर, कैलमकोटा आदि गाँवों का विद्युतीकरण करने हेतु चयन नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त गाँवों का विद्युतीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्वास्थ्य उप-केन्द्र खोलने

*1751. श्री राज कुमार राय—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि ससरीपुर जिलान्तर्गत हसनपुर विधान-सभा क्षेत्र को विधान प्रखंड स्थित ग्राम मुसो में प्राथमिक स्वास्थ्य उप-केन्द्र नहीं है, जिससे इका क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने में परेशानी होती है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक उक्त ग्राम में प्राथमिक स्वास्थ्य उप-केन्द्र खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनिधित्व करना

*1752. श्री निरंजन कुमार मेहता—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधेपुर जिलान्तर्गत उदाकिशानगंज, विहारगंज, मुत्तीगंज एवं गकलमाड़ा प्रखण्डों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में एक भी महिला चिकित्सक नहीं रहने से कारण-महिलाएँ स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर महिला चिकित्सकों को प्रतिनिधित्व करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*1753. श्रीमती गायत्री देवी—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला के पटिहार प्रखंड अन्तर्गत मानिकपुर मुखर्जीगंज ग्राम में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वर्ष 2006 में स्वीकृत हुआ था जिसका भवन का निर्माण अबतक नहीं हुआ है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का निर्माण कराकर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

उपलब्ध करना

*1754. श्री जिवेश कुमार—क्या मंत्री, आपरा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि जाले विधान-सभा अन्तर्गत जाले प्रखण्ड मुख्यालय में एक भी फायर ब्रिगेड की गाड़ी उपलब्ध नहीं है;

(2) क्या यह बात सही है कि आग लगने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी जाले मुख्यालय से 45 कि० मी० दूर दरभंगा से आती है;

(3) क्या यह बात सही है कि दरभंगा से आने में फायर ब्रिगेड की गाड़ी को 1 घंटा से भी अधिक का समय लगता है, तबतक सब कुछ जलकर राख हो जाता है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कम-से-कम एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी जाले प्रखंड मुख्यालय में उपलब्ध कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

परामर्शपूर्ण करना

*1755. श्री जयदेव कुमार—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अमरसिंह जिलास्पात अलौली प्रखण्ड में कम्युनिटी हेल्थ सेंटर चार वर्ष पूर्व अग्रेज्ड हो चुका है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अग्रेज्ड कम्युनिटी हेल्थ सेंटर का अपना भवन नहीं होने के कारण उसके सभी सामग्री रख-रखाव के अभाव में खराब हो रही हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त कम्युनिटी हेल्थ सेंटर को भवन का निर्माण कराकर चिकित्सकों एवं नर्सों का परामर्शपूर्ण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण करना

*1756. श्री महादेव जालम—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि क्या जिला के बिजलीरसायन जमा अन्तर्गत गुराहासपुर ग्राम को महादलित टोले का विद्युतीकरण कर बिजली पहुँचाने की योजना पर कार्य चल रहा था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त गाँव की दरियों में महादलित टोले में बिजली ले जाने से रोक दिया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दरियों पर कार्रवाई करते हुए उक्त महादलित टोले का विद्युतीकरण कार्य को पूरा करने का विचार रखती है, नहीं, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कटाव रोकना

*1757. श्री मुनिका सिंह राठव—क्या मंत्री, आपराधिक प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि जहानाबाद जिला के काको प्रखण्ड के ग्राम-साँजे में दरवा नदी में तेजी से कटाव हो रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त नदी के कटाव के कारण ग्राम साँजे को नदी में विलीन हो जाने की प्रबल संभावना है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त गाँव को कबतक बचाने के लिए कारगर कदम उठाता चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

*1758. श्री सन्दिपतिशर यादव—क्या मंत्री, विधि विभाग, यह बताते कि कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना सिटी न्यायालय, गामपाट एक जिला न्यायालय और न्यायालय है जिसके अन्तर्गत 15 थाना तथा 45 कि०मी० पु० भाग में अध्यासित विधानियों के केस का निर्णयन इस न्यायालय से होता है;

(2) क्या यह बात सही है कि इन न्यायालय का वकालतखाना झोपड़ी में कार्यरत है, जहाँ वकील एवं मुअक्किल को कार्य करने में फायदा कठिनाई होती है तथा इस कठिनाई के कारण बहुत वकीलों को गंगा पुल के नीचे बैठकर कार्य करना पड़ता है;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त न्यायालय के कौम में वकालत खाना बनाने के लिये वर्ष 2007 में ही स्वीकृति मिल चुकी है किन्तु भवन का निर्माण का कार्य अभी तक प्रगम नहीं किया गया है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त न्यायालय के वकीलों एवं मुअक्किलों के लिये वकालत खाने के भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्वास्थ्य केंद्र संचालित करना

*1759. श्री रायच शरण यादव—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताएंगे कि क्या यह बात सही है कि पश्चिम चम्पारण विधानसभा प्रखण्ड-वर्ग का ग्राम-परसौनी में 50 बेट के स्वास्थ्य केंद्र का भवन विगत 5 वर्षों से समस्त तैयार है परन्तु अब तक निमित्तकारी कार्य नहीं हो रहा है, यदि हाँ, तो सरकार कब तक उक्त स्वास्थ्य केंद्र को संचालित करने का विचार रखती है ?

विद्युत् सब-स्टेशन का निर्माण

*1760. श्रीमती समता देवी—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बताएंगे कि क्या यह बात सही है कि गंगा विधानसभा मोहनपुर प्रखण्ड के अमकोला गाँव में बिजली सब-स्टेशन नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार अमकोला में बिजली सब-स्टेशन का निर्माण कसबा कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

ट्रंसफॉर्मर का अपग्रेडेशन

*1761. श्री (डी०) सुनील कुमार—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बताएंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सारन जिला के बिहारशरीफ शहर के माधव कॉलोनी, लोहराणी (इन्सान नगर) नव दुर्गा हाजीपुर, सब्जी बाजार कटरापर, चौक बाजार गुप्त पर में 10 वर्ष पूर्व से 100 क०भी०ए० का स्थापित विद्युत् ट्रंसफॉर्मर का अपग्रेडेशन नहीं किया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रनकर्ता सदस्य द्वारा 22 दिसम्बर, 2015 एवं 20 जनवरी, 2016 को अपने पत्र द्वारा विद्युत् आपूर्ति अभिलेखा, सारन को उपर्युक्त स्थानों में स्थापित विद्युत् ट्रंसफॉर्मर को अपग्रेड करते हुये 200 क०भी०ए० का विद्युत् ट्रंसफॉर्मर लगाने का अनुरोध करने के बावजूद अभी तक अपग्रेड ट्रंसफॉर्मर नहीं लगाया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खाणों में उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बिहारवासीय शहर के मध्य कौलोनो, तांडमानी (इनुमान नगर) में स्थापित 100 क०घ०ए० विद्युत् ट्रांसफॉर्मर को अपग्रेड करते हुए 200 क०घ०ए० का ट्रांसफॉर्मर लगाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1762. श्री सुरेश कुमार शर्मा—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह कहने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है मुजफ्फरपुर जिला के मुजफ्फरपुर शहर में विद्युत् आपूर्ति को जवाबदेही एमरोल नामक निजी कम्पनी को दिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर के ततवी कोटर से श्री योगेन्द्र शाह एवं मिस्टर कोटर से श्रीमती दुखी देवी, श्री सुरेन्द्र सहित को विद्युत् आपूर्ति की जाती है तथा उक्त कम्पनी द्वारा इन लोगों को विद्युत् खर्च में ज्यादा बिल भुगतान हेतु पेशा गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खाणों में उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इसकी जाँच कराकर कम्पनी पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

संचालित करना

*1763. श्रीमती समता देवी—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह कहने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गया जिलास्तरांत कारखाने प्रखण्ड में कादुराम पंचायत में उप-स्वास्थ्य केन्द्र का भवन बिल 3 वर्षों से बनकर तैयार है लेकिन अबतक संचालित नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त उप-स्वास्थ्य केन्द्र को कबतक संचालित कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्वास्थ्य केन्द्र खोलना

*1764. श्री अचमिता त्रिभेदे—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह कहने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि उत्तरिया जिलास्तरांत रानीमंड प्रखण्ड के गुणवती पंचायत के गुणवती-ग्राम को अबतक 3000 से अधिक है, जहाँ उप-स्वास्थ्य केन्द्र नहीं रहने में ग्रामीणों को चिकित्सकीय कार्यों में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त ग्राम में उप-स्वास्थ्य केन्द्र खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्य पूरा करना

*1765. श्री (सी०) नेमागुल्लाह—क्या मंत्री, कर्म विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि लोकलगत जिला के बांझ प्रखण्ड के बिजली पावर सब-स्टेशन का निर्माण कार्य वर्ष 1990 से स्थित है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पावर सब-स्टेशन का निर्माण कार्य स्थित रहने के कारण बिजली की समस्या कमजोर बांध सूचारु रूप से नहीं हो पा रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतका पावर सब-स्टेशन से संबंधित कार्य को पूरा करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्थापित करना

*1766. श्री (सी०) रामानुज प्रसाद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि शरण बिलासगंज सोनपुर अनुमण्डल स्थित रेफरल अस्पताल, सोनपुर में पोस्टमार्टम की व्यवस्था नहीं है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त क्षेत्र की जनता को शवों की पोस्टमार्टम हेतु 60 कि०मी० की दूरी तयकर छपरा जाता पड़ता है जिससे समय की बर्बादी सहित आम लोगों को आर्थिक क्षति भी उठानी पड़ती है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल में पोस्टमार्टम विभाग की स्थापना करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मकबरा का जीर्णोद्धार

*1767. श्री (सी०) नेमागुल्लाह—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना नगर अन्तर्गत सुल्तानगंज शाना क्षेत्र में दरगाह शाह अली का चार सौ वर्ष पुराना मकबरा है तथा यह एक पर्यटक स्थल भी है जो जीर्ण-शीर्ष अवस्था में है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जीर्ण मकबरा का कबतक जीर्णोद्धार करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*1768. श्री राम बिलास प्रसाद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भागलपुर बिलासगंज महानगरीय अनुमंडल अस्पताल केन्द्र पर चिकित्सक आवास नहीं है जिसके कारण वहाँ परस्थापित चिकित्सकों को आवासन में कठिनाई हो रही है, हाँ, तो सरकार उक्त अस्पताल केन्द्र पर कबतक चिकित्सक आवास का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युत् की आपूर्ति

*1769. श्री रत्निका साधु—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि महाराष्ट्र विद्युतमंडल सोलरवाट प्रोजेक्ट के तहत वर्ष 2013 में विद्युतीकरण की स्वीकृति वर्ष 2014 में दी गई है;

(2) क्या यह बात सही है कि सामानों द्वारा आर्देन के माध्यम से राज्य विद्युतीकरण करने हेतु अनुदान भारन की योजना अंतर्गत विद्युतीकरण का कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त दोनों के उत्तर सकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त संघर्षों में कबतक सोलरवाट की विद्युत् आपूर्ति सुनिश्चित करने का विचार रखती है; नहीं, तो क्यों ?

टुमकाँमें लाला

*1770. श्री मन्त कुमार साह—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुलपूरपुर मिला अन्तर्गत सोलरवाट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत, सोडा, महमधपुर, महमदा, खम्बट सोडा, चम्पलती भवन एवं स्थित टुमकाँमें छः घण्टे युध हो जल गया है जिसमे विद्युत् आपूर्ति बाधित है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त भाँती पर जल टुमकाँमें लाला का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*1771. श्री गुरुदास सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सोनारगंज जिलामें सोनारगंज प्रखण्ड के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चारधपुर का भवन गिरावट जा रहा है जिसके कारण चिकित्सकों, चिकित्सकालय कमिटी एवं मरीजों में भय का वातावरण है तथा किसी भी दिन कोई दुर्घटना घटने की आशंका है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त भवन को खरब का कबतक नया भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है; नहीं, तो क्यों ?

श्री. एम. जेन्द्र खोसला

*1772. श्री लीला कुमार साह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला के सदर प्रखण्ड के मुखिया संस्थापन में 25 वर्ष पहले अंतर्गत एक बहुत बड़ा भवन का बीच स्थित प्राथमिक उप-स्वास्थ्य केन्द्र को निर्मित जा रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि इस अवसल में डॉक्टर को नहीं रहने से दुःख करने में मरीजों की दरभंगा 800एम०सी०एच० जवा पड़ता है और मरीज अपने में ही इस तौर देते हैं;

(3) यदि उपर्युक्त दोनों के उत्तर सकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्राथमिक उप-स्वास्थ्य केन्द्र को जल-पर-अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने का विचार रखती है; हाँ, तो कबतक; नहीं, तो क्यों ?

*1773. श्री मेघनाथ चौधरी— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के मंडासपुर प्रखंड अंतर्गत स्वास्थ्य केंद्र, मंडासपुर का उद्घाटन 2 वर्ष पूर्व हुआ था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्वास्थ्य केंद्र उद्घाटन के बावजूद भी अभी तक चालू नहीं हुआ है, जिसके कारण लोगों को इलाज कराने के लिये बाहर जाना पड़ रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केंद्र को चालू कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

भवन निर्माण

*1774. श्री मेघनाथ चौधरी— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के अमरागंज प्रखंड अंतर्गत जमैरा पंचायत के ग्राम नैकलपुर में अतिरिक्त उप-स्वास्थ्य केंद्र खोलने की स्वीकृति वर्ष 2004 में मिली थी जिसके लिए जमीन भी उपलब्ध है;

(2) क्या यह बात सही है कि स्वीकृति एवं जमीन उपलब्ध होने के बावजूद भी उक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य उप-केंद्र को भवन का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अतिरिक्त उप-स्वास्थ्य केंद्र को भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

घोरा की किले करना

*1775. श्री राम विजय सिंह— क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि फैजाबाद जिला के फूलवारीशरीफ प्रखंडांतर्गत पश्चिमी रामकुण्ड गांवलगा के सरा टेरस पर स्थित दुर्गादेवी मंदिर से पश्चिम एक पोल एवं उक्त गांवलगा के उत्तरीय पक्ष में एक कमलेश्वर मंदिर जो पार के पास स्थित एक पोल रोड पर रहने के कारण पार पश्चिम गांवलगा के जाने-जाने में कठिनाई होती है तथा पोल से टकराने का भी खतरा बना रहता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त दोनों स्थानों पर गाड़ गये पोल को रोड से हटाकर रोड के किनारे गाड़ने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

होल्थ सेंटर का निर्माण

*1776. श्री रामचरण सिंह— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बाँका जिला के बाराहाट में 30 शय्या वाला कम्युनिटी होल्थ सेंटर खोलने की स्वीकृति दिया है। जनवरी, 2014 को मिली थी;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त कम्युनिटी होल्थ सेंटर का निर्माण कार्य नवम्बर, 2015 से बंद पड़ा है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त कम्युनिटी होल्थ सेंटर का निर्माण कार्य प्रारंभ कराने एवं निर्माणोपरांत उसे संचालित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1777. श्री मदन मोहन तिलारी— क्या सचिव, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पश्चिम बंगाल के पश्चिम अन्तर्गत पश्चिम-मध्यमिना मुख्य भाग के मजदूरों के समीप गाँवों को तरफ लाने वाली 11,000 वॉल्ट का मुख्य विद्युत तार खरब है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर सकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्थानों के चारों तरफ तार को बदलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*1778. श्री मर्चेंट प्रसाद सिंह— क्या सचिव, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्व बंगाल के कलकत्तापुर एवं कोटवा प्रखंड में अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र, बुन्दारा एवं शीतलपुर स्वीकृत है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त प्रखंडों में स्वीकृत अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्रों का भवन निर्माण एवं डॉक्टरों को प्रतिनिधित्व तहों को गयी है, जिससे मरीजों का इलाज नहीं हो रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों को उत्तर सकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त प्रखंडों में स्वीकृत अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्रों के भवन का निर्माण एवं डॉक्टरों को प्रतिनिधित्व कर मरीजों को शिक्षात्मक सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

विद्युतीकरण का कार्य

*1779. श्रीमती कुंती देवी— क्या सचिव, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार के सभी गाँवों को वर्ष 2017 तक विद्युतीकरण करने की योजना है;

(2) क्या यह बात सही है कि गया जिला अन्तर्गत खिजूरसराय प्रखंड के राम-गढ़ा, जगदीश, बालचंद बिहारी, हिमाचल-गौरी गाँवों का विद्युतीकरण अभीतक नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों को उत्तर सकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त छूटे हुए गाँवों को विद्युतीकरण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराता

*1780. श्री निरंजन कुमार मोहता—क्या संत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधेपुरा जिला अन्तर्गत बिहारोगंज प्रखण्ड के बघननाम पंचायत स्थित स्वास्थ्य उप-केंद्र का भवन 15 वर्ष पूर्व टूट कर गिर गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि भवन नहीं होने के कारण स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों को कार्य करने में कठिनाई हो रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य उप-केंद्र के भवन निर्माण का कार्य शीघ्र करवाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

चाहू कराता

*1781. श्री विजेश कुमार—क्या संत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला के जाले रफरल अस्पताल में ब्लड बैंक बनाने की स्वीकृति मिल गई है ;

(2) क्या यह बात सही है कि ब्लड बैंक को सुचारु रूप से संचालन करने वाले चिकित्सक की प्रतिनिधुषित जाले अस्पताल में नहीं किये जाने के कारण अस्पताल में ब्लड बैंक का कार्य बाधित है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल में ब्लड बैंक संचालन करने वाले चिकित्सक की प्रतिनिधुषित कर ब्लड बैंक को चालू करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*1782. श्री विजय कुमार सिन्हा—क्या संत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिलान्तर्गत साधिकपुर पंचायत के रामोदरपुर गाँव में प्राथमिक स्वास्थ्य उप-केंद्र वर्ष 2000 से कार्यरत है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य उप-केंद्र का अपना भवन नहीं है, जबकि 30 मार्च, 2009 को ही उप-केंद्र भवन निर्माण हेतु 11 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार साधिकपुर पंचायत अन्तर्गत रामोदरपुर गाँव में प्राथमिक स्वास्थ्य उप-केंद्र के भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

स्वास्थ्य उप-केंद्र खोलना

*1783. श्री विनोद कुमार सिंह—क्या संत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के आज़मगढ़ प्रखंड अन्तर्गत बगलमल, खरसील एवं दमाड़ापुर में स्वास्थ्य केंद्र नहीं खोलने के कारण क्रमशः 12 हजार, 14 हजार एवं साढ़े सोलह हजार की आबादी को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त तीनों जगहों पर स्वास्थ्य उप-केंद्र खोलने का विचार रखती है ?

सार को कितना करना

*1784. श्री चन्दन कुमार—क्या मंत्री, उर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि खार्गोड़ा जिला अन्तर्गत खार्गोड़ा उखण्ड के स्नडोली पंचायत के अन्तर्गत कधीर नगर एयर हाउस से 11 हजार भोल्टवाला तार मोहल्ले को बीच से गया है ?

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त हाई मोल्ट तार से कई घरों का जुकी है, वहाँ के निवासियों परेशान है ?

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों को उतर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त हाई मोल्ट तार को सहक के कितने से ले जाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विकसित करना

*1785. श्री मिथिलेश तिवारी—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिलान्तर्गत बैकुण्ठपुर में स्थित ऐतिहासिक भरोहर प्राचीन निजवागढ़ एवं सुप्रसिद्ध शिव मंदिर (भगेश्वर नाथ) सिंहासनी को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने, मौनरीकरण एवं मूलभूत संरचनाओं का संरक्षण एवं निर्माण कार्य करने हेतु 4 करोड़ की राशि का प्रस्तावित वित्तीय वर्ष 2015-16 को प्रारम्भ में तैयार किया गया है ?

(2) क्या यह बात सही है कि इस अल्पसंख्यक पर्यटन क्षेत्र का विकास आवश्यक नहीं हो पाया है जिसके कारण पर्यटकों/अध्ययनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है ?

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों को उतर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*1786. श्री मुन्नाहिद आलम—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि किरानगंज जिला के कोचधामन विधान-सभा क्षेत्र अन्तर्गत पो0 एच0 सी0 कोचधामन, ए0 पो0 एच0 सी0 हल्दीखोरा एवं महीनगीव तथा स्वास्थ्य उप-केंद्र बीरी बीरपुर का चहारदीवारी एवं गेट का निर्माण नहीं कराया गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केंद्रों का चहारदीवारी एवं गेट का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उप-बैंड की स्थापना

*1787. श्री सत्यदेव सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अन्तर्गत जिला अन्तर्गत कुर्था प्रखण्डान्तर्गत नदीग ईलाका के ग्राम बहमालपुर में स्वास्थ्य उप-बैंड खोलने हेतु दिनांक 5 अप्रैल, 1991 को मात्र डोसमीत जमीन काफ़ी रु. 202, तीसरी रु. 169) खन्यफल को नाम से निर्दिष्ट हुआ था ;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त भूमि पर भवन बनाकर स्वास्थ्य उप-बैंड की स्थापना क़रार करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पर्यटक भवन का निर्माण

*1788. श्री विनेश चन्द्र मादव—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सहारन जिला अन्तर्गत कहरा प्रखण्ड के विषहरा स्थान, दिवारी में पर्यटकों के लिये पर्यटक भवन का निर्माण कराने की स्वीकृति वर्ष 2014-15 में हुई थी, जिसका निर्माण कार्य अवसक प्रारम्भ नहीं किया गया है ;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार दिवारी स्थान में कबतक पर्यटक भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युत कनेक्शन देना

*1789. श्री समीर कुमार महासेद—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलेअन्तर्गत रईका प्रखण्ड के लखौ गाँव के ग्रामीणों के द्वारा विद्युत विभाग में कनेक्शन के लिये चू, 2015 में राशि ज़माफ़न रसीद की भवती प्राप्त कर लिया गया है ;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त जिला के उक्त गाँव के ग्रामीणों को विद्युत कनेक्शन देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनियुक्ति करना

*1790. श्री (डॉ०) फैयाज अहमद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिला के विम्पने प्रखण्डान्तर्गत ग्राम औसी, बहमाला में तिब्बी शफाखाना स्वतंत्रता के पूर्व से ही संचालित था, जिसमें इक़ीम, कम्पाउंडर, नपरामी, स्वीपा परस्थापित थे ;

(2) क्या यह बात सही है कि तिब्बी शफाखाना की अपनी एक एकड़ भूमि एवं अपना भवन है ;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त कर्मियों के संगठितवृत्त हो जाने के बाद दूसरे पदाधिकारी/कर्मचारियों को परस्थापित नहीं किया गया जिससे उक्त शफाखाना बन्द पड़ा है ;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त शफाखाना में डॉक्टर, पदाधिकारी/कर्मचारियों को प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

संख्या में बढ़ोतरी करना

*1791. श्री सीता दत्त गुप्ता—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सराफा जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना योजना के अन्तर्गत किये गये ऑपरेशनों की संख्या में वर्ष 2012-13 की तुलना में भारी कमी आई है ;

(2) क्या यह बात सही है कि मारवा जिले में वर्ष 2012-13 में कुल 12,683 ऑपरेशन किये गये जबकि वर्ष 2015 तक मात्र 1,500 ऑपरेशन ही हुए हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ऑपरेशनों की संख्या में बढ़ोतरी करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बिजली आपूर्ति करना

*1792. श्री हरिश्चंद्र सिंह—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत कोयल प्रखंड के कुडिया गाँव में पीछे रहने पूर्व से पावर सब-स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू किया गया है, जिसका 50 प्रतिशत कार्य सम्पन्न का निर्माण कार्य बंदकर दिया गया है, यदि हाँ, तो सरकार पावर सब-स्टेशन, कुडिया का निर्माण फलतः पूर्ण करके बिजली आपूर्ति करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण करना

*1793. श्री राजेश कुमार—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जौनपाड़ा जिलान्तर्गत कुटुम्बा विधान-सभा के प्रखण्ड तलौनगर अन्तर्गत पंचायत रामनगर के ग्राम-शिव बिगहा, लखना पोटड़ा पर, हुमनाही तथा महुआरी जति नक्कल प्रभावित गाँव हैं तथा उक्त गाँवों में अभीतक राजीव गाँधी विद्युतीकरण योजना अन्तर्गत विद्युतीकरण नहीं करवाया गया है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त गाँवों में तत्काल विद्युतीकरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*1794. श्री राज कुमार राय—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत हरनपुर प्रखण्ड के राजकीय औषधालय, पड़ड़ी पंचपति का भवन विगत 20 वर्षों से जर्जर हालात में है, जिसमें चिकित्सकीय कार्यों में असुविधा होती है ;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार तत्काल उक्त औषधालय का भवन निर्माण करके प्राथमिक उपचार प्रारम्भ करवाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनिधित्व करना

* 1795. श्रीमती बीणा भारती—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सुप्रीम जिलास्तरीय जिवशीमले प्रसिडेंट के रेफरल अस्पताल में महिला चिकित्सक को प्रतिनिधित्व नहीं करने से महिलाओं को अपनी चिकित्सा करने में बाधों काटनाई होती है :

(2) यदि उपर्युक्त सैंड का उत्तर सकारात्मक है, तो क्या सरकार इस अस्पताल में महिला चिकित्सक को प्रतिनिधित्व करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक ?

प्रतिनिधित्व करना

* 1796. श्री राधा दुधौर—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी अस्पताल जिलास्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पकड़ौरपाल में भालक को अनुसार चिकित्सक, महिला चिकित्सक, दिहा रोम गिरोपड, दंत चिकित्सक, ओटी अटेन्शन एवं ड्रेसर का यह विभाग 2 वर्षों से रिक्त है, यदि हाँ, तो क्या सरकार इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कबतक रिक्त पदों पर प्रतिनिधित्व करने का विचार रखती है, नहीं, तो कब ?

झील का जीर्णोद्धार

* 1797. श्रीमती सुशीला पारव—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि "कबोला जल प्रपात" नवाग जिला का ही नहीं बल्कि राज्य का धरोहर है, जहाँ विदेशी पर्यटक भी आकर शीतल जल का आनंद लेते हैं तथा जिला प्रशासन के द्वारा पहल करने के फलस्वरूप भी झील की स्थिति उत्तम है, साथ ही विदेशी या राज्य से दूर-दराज से आये पर्यटकों के ठहरने हेतु विश्रामालय एवं झील पर नौसे से ऊपर जाने हेतु सेप वे नहीं करने को कारण पर्यटकों को बाली असुविधा होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार झील का जीर्णोद्धार करने को साथ-साथ पर्यटकों के ठहरने के लिये विश्रामालय एवं सेप वे का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो कब ?

विद्युत की आपूर्ति

* 1798. श्री रवींद्र सिंह—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अरवल जिलास्तरीय अरवल प्रसिडेंट के स०क्यू०७०/वि०, पलाहपुर, सैंडा में प्रभारी प्रधानध्यापक ने विद्यालय में विद्युत् आपूर्ति व मीटर लगाने का आवेदन नम्बर 128, दिनांक 13 मार्च, 2015 विद्युत् कार्यालयका अभिगता, अरवाल को दिया है :

(2) क्या यह बात सही है कि इस विद्यालय के द्वारा विद्युत् कनेक्शन का शुल्क भुगतान क्रमशः रसीद नं० 89235 व 892114 से 75 रुपये व 400 रुपये कर दिया गया है :

(3) क्या यह बात सही है कि प्रशासकीय क्षेत्रीय विभाजन ने भी अपने पार्थक्य 16/2016, दिनांक 21 जनवरी, 2016 द्वारा विद्युत कार्यपालक अभिलेख, अखिल में विद्युत आपूर्ति को अनुरक्षा की है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार गन्तु-30 विद्यालय, फतेहपुर, संघ में विद्युत आपूर्ति एवं मोटर लागू का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

चिकित्सी की व्यवस्था

*1799. श्री ज्ञान प्रसाद—क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रीडिंग विधानसभा क्षेत्रीय प्रखंड के अन्तर्गत गुप्तेश्वर ग्राम का प्राचीन गुफा है, जिसमें राज्य के बाहर के ब्रह्मन् लोग शिवरात्रि, वसंत पंचमी, स्वधन, सतुआन एवं रामनवमी के अवसर पर जलशोषक सेतु सौ आते हैं, लेकिन उक्त प्राचीन स्थल पर आजकल बिजली की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण आम ब्रह्मन्ओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, यदि हाँ, तो सरकार ब्रह्मन्ओं की मुनिभा हेतु गम्भीर विचारों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सुविधा मुहैया कराना

*1800. श्री राजा रामधौ—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्व चम्पारण जिला के मधुवन प्रखंड अन्तर्गत उप-स्वास्थ्य केन्द्र, भेल्ला को उत्कृष्ट कर अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वर्ष 2013 में बनाया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मानक के अनुसार महिला चिकित्सक, शिशु-संग विशेषज्ञ एवं सर्जन तथा दवा उपलब्ध नहीं रहने के कारण मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कब तक उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में मानक के अनुसार सुविधा मुहैया कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

व्यवस्था करना

*1801. श्री नीरज कुमार सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सुपौल जिलान्तर्गत छतापुर के सेहटा पंचायत के स्वास्थ्य उप-केन्द्र में चिकित्सक नहीं रहने के कारण वहाँ की जनता चिकित्सा से वंचित रहती है और कहीं अन्यत्र चिकित्सा करने को मजबूर है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पंचायत के स्वास्थ्य उप-केन्द्र में चिकित्सकों की व्यवस्था करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, क्यों ?

पर्यटक स्थल विकसित करना

*1802. श्री राधकृष्ण शरण पाण्डेय—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा वर्ष 2011 में पर्यटन केन्द्रों को बढ़ावा देने का निर्णय लिया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि १० चम्पारण जिलान्तर्गत लौरिया के आशोक स्तम्भ, गवनाहा प्रखण्ड अन्तर्गत गौरी आश्रम, भित्तहारवा, गन्दनगढ़, चामकोण्ड, पुस्ततल ऐतिहासिक स्थल एवं चालिम्बो नगर व्याघ्र क्षेत्र पर्यटन के दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है ;

(3) यदि उपर्युक्त स्थलों के उत्तर सकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थलों को पर्यटन केन्द्र घोषित कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विचार रखती है ?

भवन का निर्माण करना

*1803. श्री फ़ैसल रहमान—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत डाका अनुमंडलीय अस्पताल का भवन नहीं रहने से बहुत बड़ी अलवाणी को स्वास्थ्य सुविधा पहुँचा कराने में परेशानी होती है, यदि हाँ, तो सरकार डाका अनुमंडलीय अस्पताल का भवन का निर्माण कब तक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बिजली की आपूर्ति करना

*1804. श्री (मौल) तौसीफ आलम—दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 6 दिसम्बर, 2016 को प्रकाशित शीर्षक “विद्युत् विभाग की उदासीनता से लोगों में आक्रोश” को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि किसानगंज विला के बहादुरगंज प्रखण्ड के भुलचौरिया हाट के आम जनता को बिजली उपभोक्ता बने हुये 10 वर्ष से अधिक हो गये लेकिन अभी तक बिजली की आपूर्ति नहीं की गई है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त विद्युत् उपभोक्ताओं को कब तक बिजली की आपूर्ति कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पर्यटक स्थल घोषित करना

*1805. श्रीमती लेशी सिंह—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला के कल्यानगंज नगर प्रखंड अभीन कामाख्या स्थान मंदिर एक प्रसिद्ध शक्तिपीठ है एवं काफ़ी प्रयास में राजा सिंगुददीन किस्ती रहमतुल्लाह का प्रसिद्ध मजार है जहाँ सन्त तथा देश के विभिन्न हिस्सों से अद्भुत दर्शन करने आते हैं ;

(2) यदि उपर्युक्त स्थल का उत्तर सकारात्मक है, तो क्या सरकार उपर्युक्त दोनों स्थलों के विकास हेतु राशि आवंटित करते हुये पर्यटन स्थल घोषित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

* 1806. श्री सुनील कुमार—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत हुमरा प्रखण्ड के आश्रित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बहुरी का भवन कार्य है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का निर्माण कक्षात्मक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उपकरणों का रख-रखाव

* 1807. श्री सुभाष प्रसाद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि आरा सदर अस्पताल में आई०सी०यू० की व्यवस्था नहीं है तथा इन्टेंसीव रोग के चिकित्सक परामर्शित रहते हुए भी इसमें संबंधित अपरेशन नहीं कर पा रहे हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अस्पताल में अस्मत् से ज्यादा चिकित्सकीय उपकरणों की खरीद कर ली गयी है जो रख-रखाव की अभाव में खान हो रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खर्चों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल में आई०सी०यू० इन्टेंसीव रोग के अपरेशन एवं चिकित्सकीय उपकरणों का उचित रख-रखाव को व्यवस्था बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्थापना करना

* 1808. श्री [सी०] नवाज आलम—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भागपुर जिलान्तर्गत आरा प्रखण्ड के मेमोरिया पंचायत में चली अलकों अनामित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पंचायत में अनामित लोगों को इलाज हेतु आरा सदर अस्पताल आना पड़ता है, जो काफी दूर है ;

(3) यदि उपर्युक्त खर्चों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार आरा प्रखण्ड के उक्त पंचायत में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

संचालित करना

* 1809. श्रीमती गुलाबार देवी—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि माधुबनी जिलान्तर्गत मधेपुरा प्रखण्ड मुख्यालय स्थित रेफरल अस्पताल को भवन का निर्माण विगत तीन वर्ष पूर्व हो चुका है परन्तु उसको संचालित नहीं किया गया है ;

(2) यदि उपर्युक्त खर्च का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक उक्त रेफरल अस्पताल को संचालित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पूर्ण करना

*1810. श्री मुलायम शास्त्र—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समुदायी जिला के लखनौर प्रखंड के अंतर्गत 30 बेंच का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वर्ष 2012 से अटॉर्निंग है, यदि हाँ, तो सरकार तत्त स्वास्थ्य केंद्र को भवन की कफ़लक पूर्ण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

रवा उपलब्ध करना

*1811. श्री संजय सरावगी—स्वस्थीय दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 18 दिसम्बर, 2015 के अंक में प्रकाशित शीर्षक "किडनी, लीवर, कैंसर व हृदय रोग की कई दवाइयों नयाग" को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि किडनी और लीवर के इलाज में काम आने वाली ह्यूमन एल्बुमिन 20 प्रतिशत नामक मर्याद की आपूर्ति पटना में पिछले पाँच वर्षों से इसके उत्पाद कम्पनियों द्वारा भोग के अनुकूल नहीं करने से मरीजों के परिवारों को इसे जौन में काफी ऊँचे मूल्य पर खरीदना पड़ता है;

(2) क्या यह बात सही है कि कर्नाट कैंसर में काम आने वाली 6 एम०पी० एवं जीनैक नामक दवा पिछले तीन साल से बाजार में गायब है जिससे मरीजों के परिवारों को काफी परेशानी हो रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उद्घर स्वीकृतात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड (1) में वर्णित दवा को ब्राह्मणवारी को रोकने तथा खंड (2) में वर्णित दवाओं की मरीजों को उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

परिस्थितिपित करना

*1812. श्री जयवर्धन शास्त्र—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के पालीगत प्रखंड अन्तर्गत ग्राम-कोरहरी के डाढ़ी पर स्वास्थ्य केंद्र वर्ष 2008 से संभावित है, जहाँ प्रत्येक गृहसंविहार को वर्ष टीकाकरण करने हेतु आती है एवं चिकित्सक कभी नहीं आते हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि, तत्त स्वास्थ्य केंद्र प्रखंड मुख्यालय से 15 कि०मी० की दूरी पर अवस्थित रहने के कारण पंचायत-बाराह, पंचायत-नरहरी, कोरहरी एवं पंचायत चिखरी के लोगों को चिकित्सा हेतु पालीगत अनुसंधलीय स्वास्थ्य केंद्र में आना पड़ता है, जिससे उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ता है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उद्घर स्वीकृतात्मक हैं, तो सरकार ग्राम-कोरहरी के डाढ़ी पर आधारकालीन चिकित्सा सेवा के साथ-साथ स्वास्थ्य केंद्र आन का निर्माण कराने एवं चिकित्सकों का परस्वापन करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1813. बीमली बुली हवी—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि तथा निम्नलिखित नौमंथक नगरों प्रवाह को तलासीन पहाड़ पर सेकड़ों लाख रुपए खर्च किया है, साथ ही ठंडा पानी का इसका एवं लाभ भी बहुत अधिक है;

(2) क्या यह बात सही है कि पर्यटक वर्ष भराने में रित्त भक्त रांग से पवित्र जल कीधर में भरकर लिपनी पर चढ़ाते हैं;

(3) क्या यह बात सही है कि तलासीन पहाड़ को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो जलधरो विभाग सरकार को राखने की शक्ति होगी;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार तलासीन पहाड़ को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मूल विजली कनेक्शन देना

*1814. श्री संतोष सरावगी—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राष्ट्रीय विद्युतीकरण योजना को तहत श्रीपीएलएल परियोजना को निःशुल्क बिजली कनेक्शन देने का प्रबन्धन है;

(2) क्या यह बात सही है कि विभाग में 11वीं अधिवर्षीय योजना की दौरान 44,66,850 श्रीपीएलएल खाताधारों को भीच मूल विजली कनेक्शन देने जाने का लक्ष्य को तिरुद मात्र 19,44,716 तथा 12वीं अधिवर्षीय योजना की दौरान 53,80,447 श्रीपीएलएल खाताधारकों को मूल विजली कनेक्शन देने का लक्ष्य को तिरुद मात्र 2,92,988 खाताधारकों को ही मूल विजली कनेक्शन दिया जा सका है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार तय करने श्रीपीएलएल खाताधारकों को मूल विजली कनेक्शन देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मुआवजा देना

*1815. श्री (मो०) लोमीक आलम—दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 5 फरवरी, 2016 को प्रकाशित शीर्षक "ग्रीनपीडिलों को जल मिले मुआवजा" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, आपदा प्रबन्धन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि किसानों के जिला-स्तरीय आवादायक विभाग-महा क्षेत्र के तहसील संस्थाओं में जलस्रोत, विभिन्न गाँव में उपजाऊ जल पाने में जल दूरीय पर में लाखों की संघर्ष का तुरन्तता हुआ है;

(2) क्या यह बात सही है कि जल जमावगी घटना में अधिकांश गरीबी रेखा के नीचे एवं भक्तुरी करने वाले परिवार हैं जिनमें कोई भी मुआवजा अर्जतक नहीं दिया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जल जमावगी को घटना के पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

*1816. श्री मदन मोहन तिवारी—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पञ्चमहारण जिलान्तर्गत नगर परियोजना, बेडिया के सभी चौक-चौराहों पर-रात्रि में रोशनी हेतु स्ट्रीट लाइट वर्ष 2009 में लगाया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि लगाये गये सभी स्ट्रीट लाइट का मैन स्वीच वर्ष 2010 से खराब है जिसके कारण स्ट्रीट लाइट हमेशा जलता रहता है जिससे बिजुत को बर्बादी हो रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खराब पड़े सभी स्ट्रीट लाइटों का मैन स्वीच को टोक करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*1817. श्री फैसल रहमान—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत डाका प्रखण्ड के भंडार, कुशमहवा, चंदनबाग, गुरुनवा, करमठिया, बड़हरवा, लखनमोन स्वास्थ्य उप-कोन्द्र का भवन नहीं रहने से स्वास्थ्य सुविधा में पोशानी होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्वास्थ्य उप-कोन्द्रों के भवन का निर्माण कबतक करना चाहती है, यदि तो क्यों ?

विद्युत की आपूर्ति

*1818. श्री मनोहर प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जटिहार जिला के मनसाही प्रखण्ड अन्तर्गत कुरैदा ग्राम पंचायत में बिजली का डोल गाड़ दिया गया लेकिन तार नहीं लगाया गया है, तो क्या सरकार वहाँ तार लगवा कर बिजुत आपूर्ति करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

दर्जा देना

*1819. श्रीमती प्रेमा चौधरी—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि वैशाखी जिलान्तर्गत पातोपुर एवं अन्वाहा प्रखण्ड के बीच वैराला झील हत्तारें एकत्र में फैला हुआ है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त झील में प्रत्येक वर्ष विदेशी पक्षी लाखों के ताबंदार में आकर प्रवास करते हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त वर्णित झील को पक्षी निहार का दर्जा देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

*1820. श्री सुवास सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला के चार अस्पताल में पुरानी तकनीक का सामान्य एक्स-रे मशीन, कॉन्ट्रोल के अभाव पर स्थापित है जिससे गर्वों का समुचित इलाज नहीं हो पा रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उस सदर अस्पताल में कमरेक ज्युनिक तकनीक युक्त डिजिटल एक्स-रे मशीन स्थापित करने हुये सरकारो तार से संचालन करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनियुक्त करना

*1821. श्री विलय कुमार विलय—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत प्रखण्ड लक्ष्मियों के पंचायत सिरिया के ग्राम धनदिया में स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृति एवं स्वास्थ्य कर्मी प्रतिनियुक्ति हेतु स्वास्थ्य विभाग ने पत्रांक 654, दिनांक 26 सितम्बर, 2014 के माध्यम से सिविल सर्जन मधुबनी से प्रतिवेदन माँगे है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त गाँव में राज्यपाल, बिहार के नाम से भूमि उपकर्ता सौदागम कादच द्वारा खाल 858 खैसर 4145, रकबा 5 कटवा भूमि निर्धारित किया गया है जिसपर सरकार द्वारा तीन जर्नों के जम्मा मकान का निर्माण किया गया है किन्तु उसमें कंट्रोल संशोधित नहीं है तथा कंट्रोल संशोधन हेतु वर्ष 2014 में तत्कालीन माननीय सदस्य श्री उमाकांत कादच द्वारा स्वास्थ्य विभाग को पत्र के माध्यम से अनुरोध किया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सरकारी भवन में स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृति एवं स्वास्थ्य कर्मी की प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पदस्थापित करना

*1822. श्री सुदामा प्रसाद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार परिसरिका विबन्धन परिषद् के निदेशक पाद पर पदस्थापित व्यक्ति का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है और विरोध स्थिति में तीन वर्ष तक और बढ़ाया जा सकता है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पाद पर श्रीमती मुनमुन मिश्रा अप्रैल, 2007 से ही पदस्थापित हैं तथा इस तरह 8 वर्ष 10 माह का कार्यकाल वे पूरा कर चुकी हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार श्रीमती मुनमुन मिश्रा को उक्त पद से मुक्त करके हुये उन्हें अपने मूल पद पर पदस्थापित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मिक्ली की जापूर्ति करना

*1823. श्री दीनार लाल चौजाला—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सोलासदी बिस्म के गुपरी सब-स्टेशन में 4 फिडर हैं जिसमें एक ट्रांसफार्मर 5 एम=पी=ए= का एवं दूसरा ट्रांसफार्मर 3.1 एम=पी=ए= का है;

(2) क्या यह बात सही है कि कम पावर के ट्रांसफार्मर रहने के कारण 4 फिडर को एक साज चलाने में कठिनाई हो रही है जिसके कारण मिक्ली की आपूर्ति सुचारु रूप से नहीं हो पायी है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर सकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनरल ने उक्त पावर सब-स्टेशन में 10 एम=पी=ए= का ट्रांसफार्मर लगाकर सुचारु रूप से मिक्ली की जापूर्ति करने का विचार रखा है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

वापन करना

*1824. श्री अरुण कुमार—क्या मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिला को विश्व बैंक समर्थित जिला के रूप में वापन की घोषणा देखाते हुए भोजपुर जिले की विकास योजनाओं का समय कर सरकार को भेजा गया, परन्तु भोजपुर जिला का वापन विश्व बैंक समर्थित जिलागत नहीं हो सका;

(2) क्या यह बात सही है कि विश्व बैंक समर्थित परापूर्वक के तहत योजनाएँ भेज दिये जाने के कारण भोजपुर जिला का वापन विश्व के तहत भी नहीं हो पाया है जिसके कारण विकास कार्य बंद है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर सकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भोजपुर जिला को विश्व के तहत वापन करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कटान

*1825. श्री अश्वमेध दुरगाम शहीन—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिला मुख्यालय में संयुक्त औषधालय संचालित है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त संयुक्त औषधालय को अपन भवन नहीं है जिसके कारण वह राजकीय औषधालय के तहत भवन में संचालित हो रहा है जिससे शिफ्टकारीय कार्यों में बाधित होती है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर सकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त संयुक्त औषधालय को भूमि उपलब्ध कराकर भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कार्य पूरा करना

*1826. श्रीमती गायत्री देवी—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सोलासदी बिस्म अन्तर्गत सोनबर्ष प्रखंड के परछीहवाँ पावर सब-स्टेशन का निर्माण कार्य गैररक कमप्ली को आवंटित किया गया है तथा गैररक कामप्ली द्वारा ए=अ=के= स्टम्बर कामप्ली को पावर सब-स्टेशन का निर्माण कार्य कराने हेतु गैरी कार्टेज पर ६ दिव्य गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि असामाजिक तत्वों के भय के कारण कामगो का पेटो कान्ट्रक्टर कार्य को सीप में ही छोड़ कर चला गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त परछटिवाँ पंचायत-मंडल के निर्माण कार्य में अपने काली बाधाओं को दूर कर कबतक निर्माण कार्य पूरा करता चाहती है ?

निर्माण कार्य पूरा करना

*1827. श्री गिरिधारी वादत—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिला के काहलपौरे प्रखंड के किरानदासपुर पंचायत के ग्राम-बरोहिया में छः शय्यावाले अस्पताल भवन का निर्माण हो रहा था जो राशि की अनुपलब्धता के कारण एक वर्ष से बंद है, यदि हाँ, तो सरकार राशि कबतक उपलब्ध कराकर उक्त अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पर्यटक स्थल बनाना

*1828. श्री विनय विहारी—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि लौरिया प्रखंड अन्तर्गत ऐतिहासिक नन्दन गढ़ है जो नन्द वंश की एक निशानी है, जहाँ पर्यटक भी आते-जाते हैं, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्थल को कबतक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पर्यटक स्थल बनाना

*1829. श्री राजू तिलारी—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला अन्तर्गत अरेराज प्रखंड अवस्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर अवस्थित है, जहाँ प्रायः दिन हजारों की संख्या में ब्रह्मालुगण जल पढ़ाने के लिये आते हैं, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने एवं आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्यालय खोलना

*1830. श्री रामदेव राम—क्या मंत्री, विधि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बेगूसराय जिलान्तर्गत तेंपड़ा अनुमंडल बनने के 15 वर्ष बाद भी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कार्यालय की स्थापना नहीं हुई है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार तेंपड़ा अनुमंडल में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी का कार्यालय कबतक खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1831. श्री ओतारगण यादव— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बेगूसराय जिला के बेगूसराय सदर अस्पताल में परदम्भापित उपचारीक्षक ने अपने शपथ-पत्र में अपना घर घटना जिला दिखकर बेगूसराय सदर अस्पताल में अपना परदम्भापन कराया है;

(2) क्या यह बात सही है कि इनका घर बेगूसराय में है और अस्पताल के सगल में ही इन्होंने अपना निजी डिस्पेंसरी बना लिया है;

(3) क्या यह बात सही है कि बेगूसराय सदर अस्पताल के सिविल सर्वेज की अवकाश अवधि (10 अप्रैल, 2015) में उन्होंने प्रभारी सिविल सर्वेज के रूप में न केवल स्वास्थ्य कमिश्नरों का भइल स स्थापना एवं परदम्भापन किया बल्कि 15 पारा मेडिकल कमियों की नियुक्ति कर अवैध रूप से अधिक लाभ प्राप्त किया है;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इनके द्वारा गलत शपथ-पत्र टुन्सकर-पोस्टिंग एवं बहाली में अपने अधिकार से भिन्न कार्य का अनेतिक रूप से आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिये इनके खिलाफ कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति

*1832. श्री जीरंद कुमार सिंह— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत नबीनगर प्रखंड में 8 अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र हैं, जिसमें किसी को अपना भवन नहीं है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्रों में सिर्फ़ माली अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र में ही डॉक्टर की प्रतिनियुक्ति की गयी है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सभी अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्रों का भवन निर्माण कराकर डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

लाइट लगाना

*1833. श्री विद्या सागर फोहारो— क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगा जिला अन्तर्गत फारुखसार्ज प्रखंड के फारुखसार्ज नगर परिषद् क्षेत्र में दर्जनों स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगाने हेतु 10 वर्ष पूर्व राशि निर्गत की गयी थी;

(2) क्या यह बात सही है कि राशि निर्गत होने के पश्चात् भी संबंधित टाटा लाइट चालू करने के नाम पर महज खम्भे खड़ाकर खानापूर्ति की गयी है;

(3) क्या यह बात सही है कि हाई मास्क लाइट नहीं लगाने के कारण आम जनता को काफी कठिनाई हो रही है;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*1834. श्रीमती सुनीता सिंह चौहान— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बेलमंड प्रखंड के उप स्वास्थ्य केंद्र बलापुर सिर्फ़ एवं सेराबौली को बमौन उपलब्ध है लेकिन भवन नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

*1815. श्री श्रीराम सिंह— क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बीकानेर जिला के दुर्गावती प्रखण्ड के कर्मचारी में लगभग 2 बी० टी० रोड के दोनों तरफ भगवान बुद्ध की मूर्ति बिहार के प्रतीक के रूप में त्रिनिशुक्ति है;

(2) क्या यह बात सही है कि भगवान बुद्ध की मूर्ति बहुत छोटे आकार में है तथा वहाँ पर्यटकों का अस्वाभाविक रूप रहता है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों का उत्तर सकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्मृत को हटाकर पर्यटक स्मृत के रूप में विकसित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनिधित्व करना

*1816. श्री अशोक कुमार सिंह— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलेवासी भद्रनगर प्रखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला चिकित्सक नहीं होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों को चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने में काफी कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कक्षात्मक महिला चिकित्सक की प्रतिनिधित्व करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पूर्ण कक्षा

*1817. श्री मुजहिद अलाम— क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि किरतपुर जिला अंतर्गत कोयंबासन प्रखण्ड की कोयंबासन, धनपुर, केलवाडी, कुर्वाडी गाँवों में राजीव गाँधी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत एक वर्ष पूर्व पोल राडू दिया गया है परन्तु अभी तक तार व ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर सकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त सभी गाँवों में विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

सौन्दर्यीकरण करना

*1838. श्री सुनील कुमार—क्या मंत्री पर्यटन विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि नालन्दा जिला के बिहारशरीफ सौदसराय स्थित सूर्य मन्दिर के परिसर को बनाने लगे के पूर्व एवं परिचमो छोर पर अभीत अतिक्रमण किया जा रहा है एवं मन्दिर को बेराबन्दी तथा मन्दिर का सौन्दर्यीकरण हेतु प्रयत्नकर्ता सदस्य द्वारा 19 जुलाई, 2015 को मुख्यमन्त्री शहरी विकास के संचालने समिति को पत्र दिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रयत्नकर्ता सदस्य द्वारा उक्त कार्य हेतु पत्र दिने जाने के बाद भी सूर्य मन्दिर परिसर को अतिक्रमण मुक्त एवं उसके परिसर को बेराबन्दी तथा मन्दिर का सौन्दर्यीकरण अपेक्षित नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकार्यार्थक हैं, तो क्या सरकार सूर्य मन्दिर परिसर का अतिक्रमण से मुक्त करने, उसको बेराबन्दी तथा मन्दिर स्थल का सौन्दर्यीकरण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*1839. श्रीमती अरुणा देवी—क्या मंत्री स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि नालन्दा जिला अन्तर्गत बारिसलीगंज प्रखण्ड के अफसर गौतम से वर्ष 1990 से एक अतिमोक्त स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित है जो किराने के भण्डार में संचालित है;

(2) क्या यह बात सही है कि 26 वर्ष बीत जाने के बाद भी उक्त स्वास्थ्य केन्द्र का अपना भवन नहीं बना है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकार्यार्थक हैं, तो सरकार कबतक उक्त स्वास्थ्य केन्द्र के भवन निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनिधित्व करना

*1840. श्री अतपेश सिंह—क्या मंत्री स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बेराली जिलानगरी हाजीपुर प्रखण्ड के दयालपुर स्वास्थ्य उप-केन्द्र में चिकित्सक प्रतिनिधित्व नहीं है, जिससे उक्त क्षेत्र की जनता को चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त उप-केन्द्र का भवन एवं चिकित्सा कर्मियों का आवास नहीं स्थित है, जबकि इसके लिये पर्याप्त जमीन उपलब्ध है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकार्यार्थक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य उप-केन्द्र को भवन एवं आवास का जोरदार कर चिकित्सक एवं चिकित्सा कर्मियों को प्रतिनिधित्व करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सुरक्षा सुईयां करना

*1841. श्री आनन्द उज्ज्वल सिंह—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत प्रखंड देव के सूर्य मंदिर में प्रत्येक वर्ष तीन या भन्ना लगता है जिसमें लाखों के संख्या में घड़ानु पूजा अर्चना के लिये आते हैं;
- (2) क्या यह बात सही है कि पूजा अर्चना में आये घड़ानुओं के लिये न तो उद्धारलय है न ही पर्यटन की व्यवस्था है, जिसके कारण घड़ानुओं को काफी कठिनाई उत्पन्न होती है;
- (3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर सकारात्मक हैं, तो क्या सरकार देव सूर्य मंदिर में लगने वाले फेस को राजकीय सेवा घोषित कर घड़ानुओं को उचित सुरक्षा सुईयां करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

परम्परागत कारना

*1842. श्री आनन्द उज्ज्वल सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद सदर अस्पताल में महिला चिकित्सक नहीं है जिसके कारण महिला रोगियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार कबतका वहाँ महिला चिकित्सकों का परामर्श करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

व्यवस्था करना

*1843. श्री नंदन कुमार सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सुपुल जिलान्तर्गत धातपुर प्रखंड के कटरा परचावत के स्वास्थ्य उप-केन्द्र में एक भी स्वास्थ्यकर्मों नहीं है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्वास्थ्य उप-केन्द्र में कबतका स्वास्थ्य कर्मियों को व्यवस्था करवाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विचारित करना

*1844. श्री चन्द्रसेन प्रसाद—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि तालना जिलान्तर्गत एकनगरसराय प्रखण्ड में औद्योगी धाम है जहाँ अतिप्रचलनकाल से सूर्य मंदिर स्थित है तथा वहाँ प्रत्येक पूर्णिमा, छठ एवं एवं अन्य अवसरों पर देश के हरेक राज्यों एवं बिहार के प्रत्येक जिला से घड़ानु पूजा-पाठ करने के लिये आते हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार औद्योगी धाम को कबतका पर्यटक स्थल आ रूप में विकसित करने का विचार रखती है और नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण करना

*1845. श्री विलियम कुमार खेमका—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दोन दयाल उपाध्याय ग्राम विद्युत् योजना अन्तर्गत 250 हावावी वाले टोले एवं गीब को विद्युतीकृत किया जाएगा ;

(2) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ में पिछले दो वर्षों से ग्रामीण विद्युतीकरण का काम चल रहा है ;

(3) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला के पूर्णियाँ पूर्व के लालमन का महलदर टोला, मुस्लिम टोला तथा धासवन टोला, कलेख पंचायत की मुसाहरी टोला, रामपुर पंचायत का दुआनिया महादलित टोला एवं गीब पंचायत का मेहता टोला में अभी तक विद्युतीकरण नहीं किया गया है ;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त सभी टोलों में शीघ्र विद्युतीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कार्य प्रारंभ करना

*1846. श्री रामदेव राम—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बेगूसराय जिलान्तर्गत मसूरचक प्रखण्ड में पावर सब-स्टेशन निर्माण की स्वीकृति 10 वर्ष पूर्व दी गई है ;

(2) क्या यह बात सही है कि भूमि उपलब्ध रहने के बावजूद अभी तक कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पावर सब-स्टेशन का निर्माण कार्य कब तक शुरू करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जयस्था करना

*1847. श्रीमती प्रिया यादव—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत मोहिउद्दीननगर प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में विगत 3 वर्ष पूर्व आग लग जाने के कारण बेंड, कुर्सी, टेबुल, दवा आदि संरक्षण जल गया है ;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में आवश्यक संरक्षण की व्यवस्था कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*1848. श्री रवि ज्योति कुमार—क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि नालंदा जिला के गिरियक प्रखण्ड स्थित ग्राम-पावापुरी जैन धर्म का एक अल्ट्रास्टोन एवं ऐतिहासिक पर्यटक स्थल है, जहाँ देश-विदेश के पर्यटक आते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि ग्राम-पावापुरी में कोई पर्यटक बूथ होस्टल, होटल एवं कैफेटेरिया नहीं रहने के कारण पर्यटकों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ग्राम-पावापुरी में एक उच्च कांटी का पर्यटक होटल एवं बूथ होस्टल का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

*1849. श्री विलय कुमार 'विजय'—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के सरदार अस्पताल के नर्सिंगरूम वाई एक्स-ने कम, सर्जरी रूम में बरसात के समय छत से पानी टपकता रहता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि पानी टपकने से मरीजों का दिन-रात बैठकर गुजारना पड़ता है, साथ ही धीकित्सकों को भी कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त चीजों के ठरार स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल का नये भवन का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्वा. उप-केन्द्र खोलना

*1850. श्री राम चित्ताम पासवान—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत कहलगीच प्रखण्ड के कुमां पंचायत के चन्ने ग्राम में स्वास्थ्य उप-केन्द्र नहीं है, यदि हाँ, तो सरकार प्रावधान के आलोक में उक्त गाँव में स्वास्थ्य उप-केन्द्र खोलने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1851. श्री आसीदुर रहमान—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अररिया जिला के जिला स्वास्थ्य प्रबंधक, अररिया की सविश्व की अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात् भी ये अपने पद पर कार्यरत रहकर सार्वजनिक उपकरण की खरीद किये हैं तथा उसमें उन्होंने अनियमितता करती है, यदि हाँ, तो सरकार इस अनियमितता को जाँच करवा कर कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

कार्य पूर्ण करना

*1852. श्री राजेश कुमार—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत प्रखण्ड देव के बरान्दा, रामपुर, बनुआ, बरहना एवं दुसारे पंचायत जो अति पिछड़ा एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र है, में प्रधानमंत्री विद्युतीकरण का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त पंचायतों में अधूरे विद्युतीकरण कार्य को कब तक पूरा करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सुविधा उपलब्ध करना

* 1853, श्री सर्वोच्च प्रसाद सिंह—क्या मैंने, पर्यटन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी सम्प्रदाय जिलास्तर के तथा प्रखण्ड के जमीनदा पंचायत स्थित सरेया में संरक्षित देश एवं सुन्दर मठों की का स्थान और प्रवेश एवं अवरोध ही धार्मिक अड्डा से जुड़ा स्थल है ;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रतिवर्ष अनेक पंचमी एवं अश्विन वरहाय को समग्र मठों लाखों की संख्या में पूजा अर्चना करने वाले ब्रह्मजु एम दिनों तक सफाईय देश तथा पड़ोसी देश संभाल में आते हैं ;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त स्थान पर राष्ट्रीय निवास एवं भर्तृकीय सुविधा नहीं रहने में कोई आने-जाने वाले ब्रह्मजुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पर्यटकों एवं ब्रह्मजुओं के लिये आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पर्यटक स्थल बनाना

* 1854, (अ) सी० एन० गुप्ता—क्या मैंने, पर्यटन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सागर जिला अन्तर्गत रिकिसर्गन प्रखण्ड में श्री नाग बाबा और गौतम ऋषि की धर्मस्थली एवं राम भक्त हनुमान की माता अम्बनी की तपस्या स्थली के रूप में धार्मिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण स्थल है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित नहीं होने से धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व विलुप्त होने के कारण पर है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता को बरकरार रखने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उप-स्वास्थ्य केन्द्र का जौगौदास

* 1855, श्री अधिकांत क्षत्रिय—क्या मैंने, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या

यह बात सही है कि अरिया जिलास्तर के राजौगांव प्रखण्ड के खरहट पंचायत के गिफ्टवाय ग्राम में स्थित उप-स्वास्थ्य केन्द्र का भवन जर्जर है, जिससे चिकित्सकीय कार्यों में असुविधा होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त उप-स्वास्थ्य केन्द्र का जौगौदास करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

आई० सी० नु० की योजना

* 1856. श्री विजय कुमार शिखा—कब सरे, मद्रास विभाग, यह बताने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि लार्जेसराय शिखा नगर अस्पताल में आमतक आई०सी०नु० की व्यवस्था नहीं की गई है ;

(2) क्या यह बात सही है कि आई०सी०नु० के अभाव में दुर्घटनाग्रस्त एवं भविष्य में मृतियों को सीधे पोस्टमॉर्टम देकर काट दिया जाता है, जिससे सरे में ही उनकी मौत हो जाती है ;

(3) यदि उपर्युक्त बातों के उत्तर सहीकारणक है, तो क्या सरकार लार्जेसराय नगर अस्पताल में आई०सी०नु० की व्यवस्था करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मुम्बई विभाग

* 1857. श्री समीर कुलु महांत—कब सरे, मद्रास प्रत्येक विभाग, यह बताने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मद्रासी किलान्तरीय मध्याह्न प्रखण्ड के मिश्री गैब के सिस्टम पदवी दोल में जनवरी, 2016 में तीन गैब गैबारा का यह बात में अन्ततः राख हो गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि अंग्रेजीधकारी द्वारा राज्य के अन्तर्गत से आय व रुई की का आकलन करने में मध्याह्न पश्चिम राज्य की मद्रास राशि अन्ततः अन्त 75 करोड़ की अन्ततः है ;

(3) यदि उपर्युक्त बातों के उत्तर सहीकारणक है, तो सरकार मद्रासी किलान्तरीय अन्त गैब के सीधे-सीधे को अन्त मुम्बई विभाग का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सीधे बताने

* 1858. श्री दिनेश लाल शर्मा—कब सरे, मद्रास विभाग, यह बताने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मद्रास किलान्तरीय मद्रासी प्रखण्ड के सरे बताने सीधे में विभाग द्वारा अन्ततः के सीधेकारणक कार्य वर्ष 2014-15 में 56 लाख रुपये की मद्रासी कार्य अन्ततः में बताने की बताने मद्रास में अनुमति मद्रासी का अन्ततः नहीं किया गया है ;

(2) यदि उपर्युक्त बातें सरे सरे सहीकारणक है, तो क्या सरकार अन्त विभाग कार्य की सीधे बताने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बताने बताने

* 1859. श्री प्रकाश शर्मा—कब सरे, मद्रास विभाग, यह बताने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि लार्जेसराय शिखा के सूर्यगुप्त प्रखण्ड के मद्रासी सीधे एवं सरे (बताने सीधे) प्रखण्ड के सूर्यगुप्त प्रखण्ड में विभाग सरे-स्टेशन बताने-बताने है, बताने विभाग सरे-स्टेशन को अन्ततः बताने नहीं किया गया है ;

(2) यदि उपर्युक्त बातें सरे सरे सहीकारणक है, तो क्या सरकार सूर्यगुप्त सूर्यगुप्त सरे-स्टेशन के बताने बताने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कारणों कारण

*1860. श्री रवि ज्योति कुमार—क्या भर्ती, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि इन्टेल कॉलेज मेडिकल कालेज, अमरगढ़, रतुं नागपुरा के पवन निर्माण हेतु 308.31 करोड़ रुपये की सिकर 13 नवम्बर, 2014 को विजयी भयी थी ?

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त निर्माण के निष्पन्न के क्रम में निम्न किसी कारणों के निमित्त को रद्द कर दिया गया है ?

(3) क्या यह बात सही है कि निमित्त के गद्द होने से पवन निर्माण के कारण मृत्यु में वृद्धि हो रही है ?

(4) यदि उपर्युक्त सड़कों को उतर स्वीकार्यमानक हैं, तो क्या सरकार अपने इन्टेल मेडिकल कालेज एवं अमरगढ़ के पवन निर्माण में स्वास्थ्य के लिए दोषी पक्षधरों को किस्ट कारेकाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सौदगीकरण करना

*1861. श्री सतीश सिंह—क्या भर्ती, पर्वत विभाग, यह बताने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कश्मीर किल्ला-कोत कुरैला ग्राम में 14 फरवरी 1944 को भारतीय सौदी की की अग्नि कलश की बोरी बरी को संग्रह कर जब अग्नीय नैत विद्यमान नौधरी द्वारा प्रसारित किया गया था ?

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त कुरैला ग्राम के निवासी द्वारा वर्ष 1944 में कुरैला में राष्ट्रीय सौदी आश्रम का निर्माण किया गया था, जिसमें सौदी की की दोषी पक्षधरों का संग्रह एवं उनके नाम से मुस्कराव भी रखा गया है ?

(3) यदि उपर्युक्त सड़कों के उतर स्वीकार्यमानक हैं, तो क्या सरकार उक्त संग्रह के तन्त्र निरस्त एवं सौदगीकरण करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

दवाई उपलब्ध करना

*1862. श्री लाल पासवान—क्या भर्ती, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत सामुदायिक प्रो० स्वा० केंद्र चेनारी में सरकारी नियमानुसार अस्पताल में 90 प्रकार की जीवन रक्षक दवाइयों को रखना है परन्तु उक्त अस्पताल में मात्र 20 प्रकार की ही जीवन रक्षक दवा उपलब्ध है जिससे रोगियों को इलाज करने में असुविधा हो रही है, यदि हाँ, तो सरकार नियमानुसार 90 प्रकार की दवाइयों नहीं रखने वाले चिकित्सा पदाधिकारियों पर कार्रवाई करते हुए सम्पूर्ण दवाई अस्पताल में आवश्यक उपलब्ध करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जर्जर तार बदलना

*1863. श्री खीरेन्द्र कुमार सिंह—क्या भौरी, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलास्तरीय पुनर्गठन विभाग का 25 किलोमीटर लंबा टेंगर फिडर 20 किलोमीटर तार जर्जर है, जिसमें आधे दिन दुर्घटना होती रहती है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त जर्जर तार को बदलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

शिक्षा के प्रतिनिधित्व

*1864. श्री अजीत शर्मा—क्या भौरी, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भातपुर जिला के कवहार काल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, भातपुर में दूरस्थ रोग चिकित्सक नहीं है जिससे कारण दूरस्थ रोगियों का इलाज नहीं होता है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त महाविद्यालय अस्पताल में कमसे कम दूरस्थ रोग चिकित्सक को प्रतिनिधित्व कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अस्पताल बनाना

*1865. श्री विनोद कुमार सिंह—क्या भौरी, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलास्तरीय आरामनगर प्रखंड में रेफरल अस्पताल नहीं बनने के कारण 28 पंचायतों के तीन सौ बीसों के ग्रामीणों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं हो रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि आरामनगर प्रखंड में मात्र 6 पंच का स्वास्थ्य कोन्ड है, जिसमें इतनी बड़ी आबादी को चिकित्सा करने में कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार आरामनगर प्रखंड मुख्यालय में रेफरल अस्पताल बनाने का विचार रखती है ?

विद्युतीकरण करना

*1866. श्री मोहन कुमार—क्या भौरी, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राजीव गांधी विद्युतीकरण योजनास्तरीय सभी गांवों का विद्युतीकरण करने की सरकार को योजना है ;

(2) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलास्तरीय चारों प्रखंड के रीनिया पंचायत के निरहठ, सीधारा, रीनिक आदि गांवों में अच तक विद्युत की सुविधा नहीं है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त वार्डों गांवों का विद्युतीकरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1867. श्री कौशज अलमद—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मटवा—पुनपुन-33 को भी० लाइन कृषि कलिन के पीछे स्थित पटन गांव निवास क्षेत्र के सूर्यम विहार, हरिशचन्द्र नगर, सिपाग, न्यू एलवारपुर आदि मुहल्लों से होकर गुजरती है;

(2) क्या यह बात सही है कि पुनपुन ग्रिड को सम्पतक ग्रिड से विद्युत आपूर्ति होने के कारण विद्युत गैरव्यवहार से पटन—पुनपुन-33 को भी० लाइन डेड पड़ा है और इस अवधि में उसके पीछे काफी संख्या में आवासीय भवन बन गए हैं;

(3) क्या यह बात सही है कि सर्वोपयोग विकास समिति, हरिशचन्द्र नगर, सूर्यम विहार (सिपाग), पटन ग्राम उक्त डेड पाटो लाइन को हटाने या सड़क के किनारे स्थानांतरित करने हेतु दिनांक 16 फरवरी, 2011, 5 फरवरी, 2014 एवं 4 अगस्त, 2015 को विद्युत आधिकार अधिकारी, पम् (पूर्वी) अंचल, पटन, जे०एम० 'पम्' एवं एम०डी०, फावर हासिलिंग कामन्स लि० को भी अवरोधन सम्पत्ति किया गया है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या पटन—पुनपुन-33 को भी० लाइन को हटाने या अन्यत्र स्थानांतरित करने का विचार रखा है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों?

विद्युत की आपूर्ति

*1868. श्री कंचन प्रसाद गुप्ता—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला के कदनी प्रखण्ड अन्तर्गत कदनी पंचायत के उरिया गाँव की विद्युतीकरण से वंचित रखा गया है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त गाँव में कबतक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

पुनर्वासित करना

*1869. श्री मनोहर प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के मनिहारी प्रखण्ड अन्तर्गत बोलिया ग्राम पंचायत के इन्ड्रमि टोला और प्रदीप टोला के 60 परिवार वर्ष 2015 में बाढ़ के कटाव से प्रभावित होने के कारण विस्थापित होकर जमींदारी चौध पर बसे हुये हैं, साथ ही गंगा नदी से 150 मज पर स्थित गाँव महेशपुर विभाग और बोलिया विभाग के 150 परिवार विस्थापित होने के कारण पर हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त परिवारों को महेशपुर विभाग के 500 बीघा सरकारी भूमि पर पुनर्वासित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

स्वा० कोट खोलना

*1870. श्री चन्द्रसेन प्रसाद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बालिया जिला के इस्लामपुर प्रखण्ड अन्तर्गत बौरेटोह बाजार के पास बौरेटोह, झूरी, पकलवा, महमूदा, बरदाहा सहित अन्य पंचायत अवस्थित हैं जिसकी आबादी 60,000 से अधिक है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त आबादी के लिए कोई प्राथमिक स्वास्थ्य कोट नहीं रहने के कारण आम नागरिक को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बौरेटोह पंचायत के बौरेटोह बाजार में एक उप-स्वास्थ्य कोट खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों?

*1871. श्री विपिन बिहारी— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि समस्त अरुणोद्गम जिला पंचायत सम्प्रदाय में तो बीड स्तूप स्वीकृत किया गया था उसमें से एक बीड स्तूप उभरुणोद्गम के मुखौटे में रखा गया है तथा अचित-राम-खोरा के अञ्चल में स्तूप में उरग प्रवां गया है, साथ ही स्तूप का कुछ हिस्सा बालकता और कुछ हिस्सा दिल्ली भेजा गया है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्डों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इस स्तूप का शेष शेषों हिस्सा भेजा स्थलों से संग्रहीत स्तूप को खड़ा करवाने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

परम्परागत करना

*1872. श्री सुहृन्त जावेद— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि किरातगंज जिला के गदिया प्रखण्ड के दुखनाथी पंचायत में उप-स्वास्थ्य केन्द्र, गिराहापारी स्थित है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में कोई भी चिकित्सक एवं ए०एन०एम० परम्परागत नहीं रहने के कारण लोगों को चिकित्सा करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उप स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सक एवं ए०एन०एम० परम्परागत करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

संघनित करना

*1873. श्रीमति गुणजाय देवी— क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार को मीरज, स्वास्थ्य विभाग, पटना के पत्रांक, 1 स० सं० 100/स० 06-01/2003-119/0/ स्वास्थ्य, दिनांक 5 जून, 2006 द्वारा विभिन्न वर्ष 2005-06 में राज्य के 14 500 स्वास्थ्य केन्द्रों में पूर्व से सुविधित पत्रों को जलापाने वाली 11 राज्य राज्य के 100 पत्र पर वि० नं० असागत 15 न० विनिर्मित रेफरल अस्पतालों और उनके लिए 360 स्थायी पत्रों को सुलभ की जायता स्वीकृति दी गई है, जिसमें मधुबनी जिला के दो इलाक़ा चंडौल एवं मधेपुरा सम्मिलित हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिला के मधेपुरा रेफरल अस्पताल को मिले चिकित्सक एवं जोबोदार मिलकर कुल 24 पर सुविधित हैं किन्तु यहाँ एक भी चिकित्सक अभी परम्परागत नहीं हैं और उक्त रेफरल अस्पताल को कागज में संघनित दिखाकर राशि का उठाव किया जा रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कब तक उक्त रेफरल अस्पताल को विधिवत ढंग से संघनित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1874. श्री अशोक कुमार : क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गोरखम जिलालगंज सासाराम में उत्तरचन्द्री श्रम शक्तिपीठ एवं पर्यटन स्थल है, जहाँ आखीं पर्यटक प्रति वर्ष घुमने एवं पूजा-आरती करने आते हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्थल पर गैर-हॉटल स्टाइल में शौचालय एवं बीसवीं की व्यवस्था नहीं है;

(3) यदि उपर्युक्त स्थलों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्थल पर गैर-हॉटल एवं शौचालय-उद्घाटन का निर्माण कराने का साथ-साथ अन्य पर्यटकीय सुविधा की व्यवस्था करने का विचार रखती है, यदि, तो क्यों ?

परम्परागत करना

*1875. श्रीमती अरुण देवी : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गोरख जिलालगंज तालीमालीगंज में वर्ष 1947 के पूर्व से एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक को रखा/रखी पर 5 (पाँच) है जिसकी विसद्वि तर्जमत में मात्र 2 चिकित्सक परम्परागत है तथा महिला चिकित्सक का पर 1 वर्ष 2007 से रिक्त था है;

(3) यदि उपर्युक्त स्थलों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कालक अधिकृत पर 4 अग्रणी चिकित्सकों का परम्परागत करने के साथ-साथ महिला चिकित्सक की परम्परागत करने का विचार रखती है, यदि, तो क्यों ?

बिल का भुगतान

*1876. श्री तिहरी : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के अरराज, पठाड़पुर, मंझमपुर, अर्राई के क्रमशः चित्तमनपुर, राजुरिया, जगन्मोहा, ईसा के गाँव के बोलीवोलन परिवारों को विद्युत आपूर्ति के अनुपात में अधिक बिल भेजा गया है, यदि हाँ, क्या सरकार इसकी जाँच करके उचित के अनुपात में बिल का भुगतान करने का विचार रखती है, यदि, तो क्यों ?

बालू करण

*1877. अशोक कुमार : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिला के चारिसमर विभाग-समा बोझानगंज नगरपालिका तथा मटौल में अतिरिक्त प्रा-स्वास्थ्य केंद्र को स्थापना की गयी थी, जो स्वास्थ्य केंद्र अब कार्यरत नहीं है जिसकी वजह से स्थानीय लोगों को कष्टों का सामना करना पड़ा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केंद्रों को बालू करने का विचार रखती है, यदि, तो क्यों ?

"(878. श्री उपविभागाध्यक्ष प्रभूदत्त) क्या मैंने, स्वास्थ्य विभाग, यह कहने का कृत्य करेगा कि—

(1) क्या यह बात सही है कि जटिल जलान्तरित कथन प्रभूदत्त को सोनेली बाजार में अतिरिक्त प्रारम्भिक स्वास्थ्य केन्द्र चार्जित है;

(2) क्या यह बात सही है कि अतिरिक्त प्रारम्भिक स्वास्थ्य केन्द्र में एम्बुलेंस सुविधा नहीं रहने के कारण प्रभूदत्त या सिमिथी को परेशानी का सामना करना पड़ता है;

(3) और उपर्युक्त खंडों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार सोनेली बाजार स्थित अतिरिक्त प्रारम्भिक स्वास्थ्य केन्द्र को अतिरिक्त प्रारम्भिक स्वास्थ्य केन्द्र या रेफरल अस्पताल की रूप में उत्क्रांति करने का विचार रखती है, हाँ, तो कथितक, नहीं, तो क्यों ?

पदना :

(मिलन 18 मार्च, 2016 (ई-1))

राजीव कुमार,

प्रभारी सचिव,

बिहार विधान-सभा ।